डॉ. जयप्रकाश सिंह

सूचना से संवाद

(पत्रकारिता का भारतीय परिप्रेक्ष्य)

सूचना से संवाद

(पत्रकारिता का भारतीय परिप्रेक्ष्य)

डॉ. जयप्रकाश सिंह

सहायक आचार्य, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय

वैदिक पब्लिशर्स
Vedic Publishers

2017

वैदिक पब्लिशर्स

नयी दिल्ली

सूचना से संवाद

(पत्रकारिता का भारतीय परिप्रेक्ष्य)

लेखक : डॉ० जयप्रकाश सिंह

प्रकाशक

वैदिक पब्लिशर्स

प्रधान कार्यालय

सी-18, हरगोविन्द इन्क्लेव,
छत्तरपुर, नयी दिल्ली-110068 (भारत)
दूरभाष : 09654669293
ई-मेल : vedicpublishers@gmail.com

© सर्वाधिकार : लेखक

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस पुस्तक का कोई भी अंश लेखक की लिखित अनुमति के बिना किसी भी रूप में- इलेक्ट्रॉनिक या यांत्रिक, फोटोकॉपी, रिकॉर्डिंग, या किसी भी सूचना-भण्डारण और पुनर्प्राप्ति-प्रणाली द्वारा सहित, किसी भी तरह के माध्यम से उपयोग या प्रेषित नहीं किया जा सकता है।

प्रथम संस्करण : दीपावली, वि०सं० 2074 (2017 ई०)

आई०एस०बी०एन० : 978-81-25573-49-4

मूल्य : ₹ 125/- (पेपरबैक), ₹240/- (हार्डकवर)

आवरण-सज्जा : त्रिवेणी प्रसाद तिवारी, विशाल यादव
किताब के आवरण पर भारतीय मानचित्र का प्रयोग प्रतीकात्मक तौर पर किया गया है

टाइपसेटिंग, आवरण-सज्जा एवं मुद्रण
प्रिन्टेक इंटरनेशनल
बी-14, डी०एस०आई०डी०सी० कॉम्प्लेक्स,
झिलमिल इंडस्ट्रियल एरिया, दिल्ली-110 095
मो० : 09582225848, 09811025848

विषय-सूची

प्रस्तावना		*(v)*
दो शब्द		*(vii)*
क्रमांक	लेख-सूची	पृष्ठांक
1.	मंगलसंवाद का अमृतकलश	1
2.	स्वप्नों को स्वतंत्र करने का समय	4
3.	रंगीली होली और रसहीन मीडिया	8
4.	आत्मलांछन का अहोभाव	11
5.	भारतीय क्रान्ति-परम्परा की यात्रा	16
6.	चमकता रजतपटल, चुकता स्मृतिपटल	20
7.	स्वप्निल संसार और विकास की सरपट दौड़	26
8.	उमा का सवाल, मीडिया में बवाल	30
9.	मदारी से मुद्दई बनता मीडिया	33
10.	मीडिया का 'अघोर तंत्र' है टीआरपी	37
11.	व्यवस्थागत व्याख्या से मिलेगा कुंभ का अमृत	42
12.	धर्मक्षेत्रे कुरुक्षेत्रे	46
13.	प्राथमिकताओं से गायब एक 'प्लेटफॉर्म'	51
14.	साल के पड़ाव पर, भई संतन की भीड़	56
15.	महिला सशक्तीकरण की मातृभाषा	60
16.	शोध से होगा प्रतिष्ठा का बोध	63
17.	भाषायी सेतुबंध ही सच्ची श्रद्धांजलि	66